<u>श्री मुख्तार अब्बास नकवी का संक्षिप्त जीवन परिचय</u>

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद के एक सामान्य एवं संभ्रांत परिवार में पले-बढ़े श्री मुख्तार अब्बास नकवी, कम उम्र से ही सामाजिक-राजनैतिक गतिविधियों में सक्रीय हो गए थे। आपातकाल (1975) में "लोकनायक" जयप्रकाश नारायण के "संपूर्ण क्रांति" आंदोलन में सक्रीय रहे और मात्र 17 वर्ष की उम्र में "मीसा-डी.आई.आर" में जेल में नजरबन्द किये गए। लोकतान्त्रिक मूल्यों एवं सामाजिक सरोकार को लेकर कई आंदोलनों-अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई जिसके चलते कई बार उन्हें जेल भी जाना पड़ा।

15 अक्टूबर 1957 को इलाहाबाद के गांव भदारी में जन्मे श्री नकवी ने स्नातक एवं मास कम्युनिकेशन में पोस्ट-ग्रेजुएशन किया। इसके साथ-साथ श्री नकवी लेखन, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं दस्तकारों, शिल्पकारों के उत्थान के लिए सक्रीय रहते हैं।

राष्ट्रवाद, लोकतांत्रिक एवं पंथनिरपेक्ष मूल्यों के प्रति कटिबद्ध श्री नकवी ने भाजपा के उम्मीदवार के रूप में अब तक दो विधानसभा (1991, 1993) एवं तीन लोकसभा (1998, 1999, 2009) चुनाव लड़ा है। 1998 में रामपुर, उत्तर प्रदेश से भाजपा के पहले मुस्लिम लोकसभा सदस्य चुने गए एवं 2002, 2010, 2016 में राज्यसभा सदस्य चुने गए हैं। विभिन्न महत्वपूर्ण संसदीय समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं। विदेशों में कई भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व भी किया है।

श्री नकवी 1998 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में सूचना प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण फैसले किये जिनमे “डायरेक्ट टू होम” प्रसारण व्यवस्था (DTH) एवं भारतीय फिल्म क्षेत्र को उद्योग का अधिकृत दर्जा देना शामिल है। श्री नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में संसदीय कार्य; अल्पसंख्यक कार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार); अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री रहे। अपने सरल, मिलनसार स्वभाव के लिए लोकप्रिय श्री नकवी ने संसदीय कार्य राज्यमंत्री के रूप में कई महत्वपूर्ण विधायी कार्यों एवं सुधारपरक बिल पास कराये और उन्होंने राज्यसभा में सरकार के अल्पमत में होने के बावजूद विपक्ष के साथ संपर्क-संवाद-समन्वय बना कर महत्वपूर्ण विधाई कार्यों को कराने में सफलता हासिल की।

श्री नकवी ने 31 मई 2019 को पुनः अल्पसंख्यक मंत्रालय के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का कामकाज संभाला। "सम्मान के साथ सशक्तिकरण" और "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के संकल्प के साथ अल्पसंख्यकों के सामाजिक-आर्थिक-शैक्षिक सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओं को असरदार तरीके से लागू कर रहे हैं। आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय का “3E- एजुकेशन, एम्प्लॉयमेंट, एम्पावरमेंट" का लक्ष्य तय किया है।

मिलनसार, मृदुभाषी, संस्कारी एवं कार्यकुशल नेताओं की श्रेणी में माने जाने वाले श्री नकवी को राजनैतिक, प्रशासनिक एवं संगठनात्मक कार्यों का एक लम्बा अनुभव है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान केंद्रीय चुनाव प्रबंधन-समन्वय के प्रमुख, केंद्रीय

चुनाव समिति के सदस्य एवं पार्टी की चुनाव सुधार समिति के अध्यक्ष के रूप में कई अहम एवं चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां सफलता के साथ निभाई हैं। साथ ही कई राज्यों के संगठन प्रभारी भी रह चुके हैं।

श्री नकवी राजनैतिक-सामाजिक क्षेत्र में "राष्ट्रपिता" महात्मा गाँधी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, "लोकनायक" जयप्रकाश नारायण, डा. राम मनोहर लोहिया, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री लाल कृष्ण अडवाणी, श्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित रहे हैं।

वह इस सिद्धांत पर यकीन करते हैं कि, "सीखना कभी बंद नहीं होना चाहिए, क्योंकि जीवन का हर अध्याय एक सबक है"